मौन की महिमा महान

मौन की महिमा महान है।
मौन जीवन का परम मित्र है।
मौन आध्यात्मिक उन्नति के लिए ब्रह्मास्त्र है।
मौन विचारों को श्रेष्ठ बनाने का एक टॉनिक है।
मौन कलह-क्लेश को मिटाने की अचूक औषधि है।
मौन मन की स्थिति को एकरस बनाने की दवाई है।
मौन व्यर्थ से मुक्त होने का रूहानी इंजेक्शन है।

मौन मनमनाभव व मध्याजीभव रहने की संजीवनी बूटी है।
मौन स्वधर्म में टिकने के लिए एकमात्र श्रेष्ठ विधि है।
मौन देह व देह की दुनिया को भूलने का सहज साधन है।
मौन परमात्म शक्तियों की अनुभूति करने का श्रेष्ठ मार्ग है।
मौन परमात्म प्यार में खो जाने का सहज पुरुषार्थ है।
मौन अशरीरी स्थिति बनाने का सरल तरीका है।
मौन सर्वोत्तम भाषा है, जो विस्तार को सार में लाती है।
मौन की शक्ति मन की एकाग्रता को बढ़ाती है।
मौन से परमात्म सुख का अनुभव करना सहज हो जाता है।
मौन से मन तरोताजा स्थिति का अनुभव करता है।
मौन अतिन्द्रिय सुख की अनुभूति कराता है।
मौन अर्थात् क्वालिटी वाले श्रेष्ठ संकल्प ही चलें।
मौन अर्थात् व्यर्थ व साधारण संकल्प से मुक्त।
मौन में की गई साधना से मन की शक्ति बढ़ती है।
मौन से आत्म चिन्तन को बल मिलता है।
मौन से अंतर्मुखता का सुखदायी रस अनुभव होता है।
मौन से संकल्प सारयुक्त व संयमित हो जाते हैं।
मौन विवेक शक्ति को यथार्थ रूप से जागृत रखता है।
मौन से आत्मिक शक्तियां जागृत होकर कार्य करने लगती हैं।
मौन की शक्ति मन को समर्थ बनाने में सक्षम है।
मौन के वायब्रेशन वायुमण्डल को शक्तिशाली बनाते हैं।
मौन कर्मेन्द्रीयजीत बनने का सहायक मार्ग है।
मौन सभी प्रकार के मतभेदों को भुलाने का सार्थक माध्यम है।
मौन रहने वाले ही शान्तिधाम की स्थिति का अनुभव कर सकते हैं।
मौन स्थिति को डबल लाईट बनाकर योग की शक्ति को बढ़ाता है।
मौन बोल को समर्थ, यथार्थ, युक्तियुक्त, राजयुक्त, मधुर व्यवहारयुक्त बनाता है।

ओम् शान्ति